पोस्ट-ब्रेक्ज़िट व्यापार समझौता

drishtiias.com/hindi/printpdf/post-brexit-trade-treaty-ratified

चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूरोपीय संसद ने **यूरोपीय संघ** (European Union) और यूनाइटेड किंगडम (UK) के मध्य पोस्ट-ब्रेक्ज़िट व्यापार समझौते (Post-Brexit Trade Deal) के सत्यापन की पुष्टि की है।

- ईयू-यूके व्यापार और सहयोग समझौता (EU–UK Trade and Cooperation Agreement-TCA) यूरोपीय संघ, यूरोपीय परमाणु ऊर्जा समुदाय (यूरेटोम) और यूनाइटेड किंगडम के मध्य दिसंबर 2020 में संपन्न हुआ एक मुक्त व्यापार समझौता है।
- ब्रिटेन द्वारा यूरोपीय संघ से अलग होने के फैसले के लगभग पाँच वर्ष बाद इस सौदे की पुष्टि की गई है। ब्रिटेन की संसद द्वारा पहले ही इसकी पुष्टि की जा चुकी है।

प्रमुख बिंदु:

व्यापार और सहयोग समझौते (TCA) के विषय में:

- **अधिनियमित:** इस समझौते को जनवरी 2020 में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के मध्य व्यापार संबंधी व्यवधानों को कम करने हेतु अनंतिम रूप से लागू किया गया था।
    इस समझौते के अनंतिम अनुमोदन की अवधि 30 अप्रैल, 2021 को समाप्त हो गई थी, हालाँकि अब एक बार पुन: यूरोपीय संसद का अनुसमर्थन सुनिश्चित होने के बाद यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के मध्य व्यापार का प्रवाह निर्बाध रूप से जारी हो जाएगा।

- **प्रमुख प्रावधान**:
    - **एक समान पहुँच:** यह समझौता इस बात को सुनिश्चित करेगा कि ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के एकल बाज़ार के साथ व्यापार करने के लिये समान नियमों और विनियमों का पालन करे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ब्रिटेन को यूरोपीय संघ के अन्य व्यवसायों की तुलना में अनुचित लाभ प्राप्त न हो।
    - **शासन संबंधी नियम:** इससे इस बात को निर्धारित किया जाएगा कि कोई समझौता किस प्रकार लागू किया जाए तथा साथ ही परस्पर रूप से स्वीकृत समझौते की शर्तों के उल्लंघन पर जुर्माने का भी निर्धारण किया जाएगा।
    - **फिशिंग राईट:** यह समझौता यूरोपीय संघ के मछुआरों को ब्रिटेन के जलीय क्षेत्र में मछली पकड़ने की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें पाँच वर्ष के ट्रांजीशन पीरियड में छह मील दूर तक तटरेखा शामिल है। ट्रांजीशन पीरियड की समाप्ति पर, सब कुछ सामान्य व्यवस्था में वापस आ जाएगा और ब्रिटेन का अपने जल पर पूरा नियंत्रण होगा।
    - **पुलिसिंग हेतु रूपरेखा:** यह समझौता कानून प्रवर्तन मामलों को नियंत्रित करने संबंधी एक रूपरेखा प्रदान करता है, जिसके तहत भविष्य में ब्रिटेन और यूरोपीय संघ की पुलिस एजेंसियाँ समन्वय स्थापित कर सकेंगी।
    - यह समझौता अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अन्य प्रमुख पहलुओं को भी संबोधित करता है, जिसमें बौद्धिक संपदा सुरक्षा और सड़क परिवहन संबंधी प्रावधान शामिल हैं।
- **सीमाएँ**:
    - ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे- कानूनी और वित्तीय सेवाओं आदि पर इस समझौते में ध्यान नहीं दिया गया है।
    - वर्तमान में, ब्रिटेन में स्थित कानूनी और वित्तीय सेवा कंपनियों पर उसी प्रकार के प्रतिबंध आरोपित किये गए हैं, जिस प्रकार के प्रतिबंध यूरोपीय संघ के बाहर की किसी अन्य कंपनी पर लागू किये जाते हैं।

यूरोपीय संघ (EU) और यूनाइटेड किंगडम (UK):

- यूनाइटेड किंगडम उत्तर पश्चिमी यूरोप में एक स्थिति द्वीप राष्ट्र है।
- यह इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड से मिलकर बना है।
- यूनाइटेड किंगडम, यूरोपीय संघ के सदस्य राज्य आयरलैंड के साथ अपनी सीमा साझा करता है।
- यूरोपीय संघ और यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) के मध्य संबंधों की शुरूआत वर्ष 1957 में 'यूरोपियन कम्युनिटी' (यूरोपीय संघ का पूर्ववर्ती) की स्थापना के साथ हुई थी।
- वर्ष 1973 से ब्रिटेन यूरोपीय संघ का एक सदस्य राष्ट्र था, किंतु वर्ष 2016 में हुए एक जनमत संग्रह के दौरान ब्रिटेन ने 31 जनवरी, 2020 को स्वेच्छा से अपनी सदस्यता समाप्त करने का निर्णय लिया था।

उत्तरी आयरलैंड का मुद्दा:

- भौगोलिक रूप से उत्तरी आयरलैंड, आयरलैंड का हिस्सा है, जबकि राजनीतिक रूप से, यह यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है।
- उत्तरी आयरलैंड, यूनाइटेड किंगडम का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जो यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्र, आयरलैंड के साथ सीमा साझा करता है।

- आयरलैंड की सीमा, लोग के स्वतंत्र आगमन हेतु खुली हुई है, जिस कारण दोनों पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया को स्थापित करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि खुली सीमा के चलते उत्तरी आयरलैंड के लोग आयरलैंड और यूनाइटेड किंगडम दोनों देशों में आसानी से आवागमन कर पाते हैं।
- ब्रिटेन की सरकार द्वारा 'हार्ड ब्रेक्ज़िट' पर जोर दिया था, जिसके कारण यूनाइटेड किंगडम, यूरोपीय संघ की आर्थिक व्यवस्था के लाभ से वंचित हो गया, ऐसे में यूनाइटेड किंगडम के लिये अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने संबंधी चुनौती है।
- ब्रिटेन और यूरोपीय संघ दोनों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है कि आयरलैंड और ब्रिटेन में किसी भी प्रकार की सीमा नहीं होनी चाहिये, क्योंकि इससे शांति स्थापित करने की प्रक्रिया में एक नए प्रकार की समस्या उत्पन्न हो सकती है।
    - एक विकल्प के तौर पर उत्तरी आयरलैंड और ब्रिटेन के बाकी हिस्सों के बीच आयरिश सागर में सीमा स्थापित करने पर विचार किया जा सकता है।
    - हालाँकि इस व्यवस्था ने ब्रिटिश संघवादियों को चिंतित कर दिया है, जो मानते हैं कि यह उत्तरी आयरलैंड में ब्रिटेन की स्थिति को कमज़ोर करता है और आयरिश पुनर्मिलन की भावना को फिर से उत्पन्न कर सकता है।

स्रोत: द हिंदू